

पाठ-1

दो बैलो की कथा

प्रेमचंद जीवन परिचय -

प्रेमचंद का जन्म सन् 1880 में बनारस के लमही गाँव में हुआ था। उनका मूल नाम धनपत राय था। प्रेमचंद का बचपन अभावों में बीता और शिक्षा बी.ए. तक ही हो पाई। उन्होंने शिक्षा विभाग में नौकरी की असहयोग आंदोलन में सक्रिय भाग लेने के लिए सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और लेखन कार्य के प्रति पूरी तरह समर्पित हो गए। सन् 1936 में इस महान कथाकार का देहांत हो गया।

प्रेमचंद की कहानियाँ मानसरोवर के आठ भागों में संकलित हैं। सेवासदन प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कायाकल्प, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान (सबसे प्रमुख) उनके प्रमुख उपन्यास हैं। उन्होंने हंस जागरण, माधुरी आदि पत्रिकाओं का संपादन भी किया। कथा साहित्य के अतिरिक्त प्रेमचंद ने निबंध एवं अन्य प्रकार का गद्य लेखन भी प्रचुर मात्रा में किया। प्रेमचंद साहित्य को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम मानते थे। उन्होंने जिस गाँव और शहर के परिवेश को देखा और जिया उसकी अभिव्यक्ति उनके कथा साहित्य में मिलती है। किसानों और मजदूरों की दयनीय स्थिति, दलितों का शोषण, समाज में स्त्री की दुर्दशा और स्वाधीनता आंदोलन आदि उनकी रचनाओं के मूल विषय हैं।

प्रेमचंद के कथा साहित्य का संसार व्यापक है। उसमें मनुष्य ही नहीं पशु पक्षियों को भी व्यापकता आत्मीयता मिली है। बड़ी से बड़ी बात को सरल भाषा में सीधे और संक्षेप में

कहना प्रेमचंद के लेखन की प्रमुख विशेषता है। उनकी भाषा, सरल, सजीव एवं मुहावरेदार है तथा उन्होंने लोक प्रचलित शब्दों का प्रयोग कुशलतापूर्वक किया है।

दो बेलों की कथा के माध्यम से प्रेमचंद ने कृषक समाज और पशुओं के भावात्मक संबंध का वर्णन किया है। इस कहानी में उन्होंने यह भी बताया है कि स्वतंत्रता सहज में नहीं मिलती, उसके लिए बार-बार संघर्ष करना पड़ता है। इस प्रकार प्रमुख रूप से यह कहानी आज़ादी के आंदोलन की भावना से जुड़ी है। इसके साथ ही इस कहानी में प्रेमचंद ने पंचतंत्र और हितोपदेश की कथा-परंपरा का उपयोग और विकास किया है।

1) प्रश्न / उत्तर

1. कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी?

उत्तर—कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी इसलिए ली जाती होगी कि जिससे पता चल सके कोई जानवर वहाँ से भागा तो नहीं है।

2. छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?

उत्तर—छोटी बच्ची की माँ भर चुकी थी। उसकी सौतेली माँ उसे बहुत मारती थी। उधर गया भी हीरा-मीती को बहुत मारता था। दोनों की एक जैसी स्थिति होने के कारण ही छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम उमड़ आया था।

3. कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभर कर आए हैं?

उत्तर—प्रस्तुत कहानी में निम्न नीति-विषयक मूल्य उभरकर आए हैं।

- 1) दुश्मन का डटकर मुकाबला करना चाहिए।
- 2) औरत जात पर कभी भी अत्याचार नहीं करना चाहिए।
- 3) संकट में फसे मित्र की हर सम्भव मदद करनी चाहिए।
- 4) किसी भी परिस्थिती में हार नहीं माननी चाहिए।
- 5) प्रत्येक समस्या का मिल-जुलकर सामना करना चाहिए।
- 6) गिरे हुए बैरी (दुश्मन) पर कभी भी आक्रमण नहीं करना चाहिए।

4. प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद ने गंधे की किन स्वभावा विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

उत्तर—प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद जी ने गंधे के लिए 'मूर्ख' शब्द का प्रयोग न करके उसे बहुत ही सहनशील, सुख-दुख में समान भाव रखने वाला, संतोशी, क्रोधरहित व स्थिर स्वभाव वाला बताया है। ऐसा करके उसके अंदर उन सभी गुणों को बताया है जो बड़े-बड़े ऋषी-मुनियों के अंदर पाए जाते हैं।

5. किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?

उत्तर—प्रस्तुत कहानी में निम्न घटनाओं के माध्यम से पता चलता है कि हीरा-मोती में गहरी दोस्ती थी।

- 1) हीरा और मोती एक-दूसरे को सूँघकर व चाटकर अपना प्रेम प्रदर्शित करते थे।
- 2) मोती को जब भी गुस्सा आता था, तब हीरा अपने शांत स्वभाव से उसे नियन्त्रण में ले लेता था।
- 3) दोनों ही जब गाड़ी में जोते जाते थे, तब दोनों का यही प्रयास रहता था कि, एक-दूसरे पर कम से कम वजन डाला जाए।

4) गया के घर से भागते समय विशालकाय साँड का मुकाबला भी दोनो ने ही बड़ी चतुराई से किया था।

5) हीरा और मोती एक साथ चारा खाते थे, एक साथ ही उठते-बैठते थे तथा मूक भाषा में अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।

6) काँजीहोंस की दीवार भी दोनो ने मिलकर तोड़ी थी और नौ-दस जानवरों की जान बचाई थी।

इन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी।

6. लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।' - हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—हीरा के प्रस्तुत कथन के माध्यम से प्रेमचंद जी का स्त्रियों के प्रति बहुत ही आदर व सम्मान का भाव व्यक्त हुआ है। प्रेमचंद जी के अनुसार जिस समाज में स्त्रियों की इज्जत नहीं होती है, वह समाज कभी-भी आगे नहीं बढ़ पाता है।

7. किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?

उत्तर—प्रस्तुत कहानी में लेखक ने पशु और मनुष्य बीच के संबंधों को बहुत ही आत्मिक एवं प्रेमपूर्ण भाव से व्यक्त किया है। झूरी अपने दोनों बैलों को परिवार के सदस्यों के रूप में मानता था। वह उनके सुख दुःख का पूरा ध्यान रखता था। हीरा और मोती भी एक पल के लिए भी झूरी से दूर नहीं रहना चाहते थे। इसलिए वे गया के घर से बार-बार भागकर एवं अनेक कष्टों को सहन करते हुए अपने मालिक झूरी के पास वापस आ जाते थे। इससे उनके आपसी संबंधों का पता चलता है।

8. 'इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान, बच गई। वे सब तो आपको आशीर्वाद देंगे'- मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए ।

उत्तर—प्रस्तुत कथन से ज्ञात होता है कि मोती भले ही क्रोधी स्वभाव का था। किन्तु उसके अन्दर भी आजादी की भावना थी। वह हर तरह से अत्याचार का विरोधी था। पीड़ितों के प्रति वह पूरी साहनभूती रखता था, वह शुरुआत से ही आजादी का समर्थक था। क्रोध करते हुए भी हीरा की बात को सहज रूप से मान लेता था इसीलिए उसने उदारता का परिचय देते हुए नौ-दस जानवरों की जान बचाई थी।

9. आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) अवश्य ही उनमें कोई ऐसी शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।

उत्तर—दूसरे के मल हीरा और मोती बिना कुछ करे ही एक की बात समझ लेते थे। जबकि सभी जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य किसी के भी मन की बात नहीं समझ पाता। जानवरी में ऐसी ईश्वर्य गुप्त शक्ति होती है कि वे सहज रूप से ही एक-दूसरे के मन की बात समझ लेते हैं। जबकि मनुष्य हर तरह से इससे वंचित रहता है।

(ब) उस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिला गया।

उत्तर—हीरा और मोती दोनों ही अपने मालिक का घर छोड़ना नहीं चाहते थे। इसलिए ले जाते समय, गया को उन्होंने बहुत परेशान किया था। गया ने भी नाराजगी के चलते उन्हें कठोर सजा दी थी। गया के घर में रहने वाली छोटी बच्ची उन यातनाओं से बहुत परेशान

हो जाती थी, इसलिए वह रात को छिपकर उन्हें एक-एक रोटी खिला देती थी। उस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शांत होती किन्तु बच्ची के प्रेम को देखकर उन्हें संतुष्टी अवश्य होती थी।

महत्पूर्ण प्रश्न

1. 'दो बैलो की कथा' कहानी कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर—प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद्र जी ने कभी न हार मानने की एवं अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की शिक्षा दी है। हमें इस कहानी हमेशा साथ देने और हर समस्या का मिल-जुलकर सामना करने की सीख मिलती है, जिस तरह मोती अत्याचार का विरोधी एवं आजादी का समर्थक था, उसी तरह हमें भी अपनी आजादी का ध्यान रखते हुए सही बात का समर्थन करना चाहिए।

2. प्रेमचंद जी को हिन्दी साहित्य में कौन-कौनसी उपाधियाँ दी गई हैं?

उत्तर—प्रेमचंद जी को हिन्दी साहित्य में 'उपन्यास सम्राट एवं कलम का सिपाही' आदि उपाधियों से सम्मानित किया गया है।

3. इसी की पत्नी को बैलो से ईर्ष्या क्यों हो रही थी?

उत्तर—झूरी की पत्नी को बैली से ईर्ष्या इसलिए हो रही थी क्योंकि बैल उसके मायके से भाग आए थे उन्होंने वहाँ कोई भी काम नहीं किया था। इस बात से वह चिड़ गई थी, इसलिए उसे उनसे ईर्ष्या होने लगी थी।

4. 'कॉजी होंस' शब्द से क्या आशय है?

उत्तर—'कॉजीहोंस' शब्द से आशय 'मवेशी खाना वह बाड़ा जिसमें दूसरे, का खेत आदि खाने वाले या लावारिस चौपाये बंद किये जाते हैं और कुछ दंड लेकर छोड़े या नीलाम किए जाते हैं।

5. प्रेमचंद जी ने कौन-कौन से पत्र निकाले थे?

उत्तर—प्रेमचंद जी ने हंस, जागरण व माधुरी आदि पत्र का संपादन किया था।

6. प्रेमचंद जी को साहित्य में किन-किन नामों से जाना जाता है?

उत्तर—प्रेमचंद जी का मूल नाम घनपतराय था। उर्दू लेखन में उन्हें नबावराय के नाम से जाना जाता। हिन्दी लेखन में उन्हें प्रेमचंद के नाम से जाना जाता है।

7. प्रेमचंद जी की रचनाओं के मूल विषय क्या रहे हैं?

उत्तर—प्रेमचंद जी ने अपनी रचनाओं में किसानों और मजदूरों की दयनीय स्थिति, दलितों का शोषण, समाज में स्त्रियों की दुर्दशा और स्वाधीनता आन्दोलन आदि उनकी रचनाओं के मूल विषय हैं।

8. हीरा और मोती ने साँड का मुकाबला किस प्रकार किया था।

उत्तर—हीरा और मोती साँड का मुकाबला एक साथ किया, यह सोचकर कि अगर उसे दोहरी मार पड़ेगी तो वह डरकर भाग जाएगा। साँड को भी संगठित शत्रुओं से लड़ने का

तजुर्बा न था। वह तो एक शत्रु से मल्लयुद्ध करने का आदि था। ज्यो ही हीरा पर झपटा मोता ने पीछे से दौड़ाया। साँड़ उसकी तरफ मुड़ा, तो हीरा ने रोदा। सांड चाहता की एक-एक करके दोनों को गिरा ले; पर ये दोनो भी उस्ताद थे। उसे वह अवसर न देते थे। एक बार सांड झुल्लाकर हीरा का अंत कर देने के लिए चला की मोती ने बगल से आकर पेट में सींग भोंक दिया। साँड़ क्रोध में आकर पीछा किया तो हीरा ने दूसरे पहलू में सींग चुभा दिया। आखिर बेचारा जख्मी होकर भाग गया। इस प्रकार हीरा और मोती सांड का मुकाबला किया।

FINISH